जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 202
दिनांक 15.12.2022

जैव उर्वरकों का बेहतर प्रयोग हेतु हार्टिकल्चर के विद्यार्थियों ने जानी बारीकियां

जनेकृविवि द्वारा तैयार किये गये जैव उर्वरकों के प्रयोग से माटी–पर्यावरण–फसल होती है बेहतर

जबलपुर 15 दिसम्बर 2022। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ.प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा में कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग अंतर्गत संचालित सूक्ष्मजीव अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र द्वारा सतत् शोध व नये–नये नवाचार किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मिश्रा के मार्गदर्शन में प्राकृतिक खेती व जैविक खेती को बल देने हेतु प्रक्षेत्र पर शोध जारी हैं। इसी तारतम्य में जैविक खेती की शुद्धता को बनाये रखने के साथ ही भूमि के प्राकृतिक स्वरूप को गुणवत्ता पूर्ण बनाये रखने हेतु जवाहर जैव उर्वरक अतिलाभकारी, पर्यावरण हितैषी, कम लागत एवं विश्वसनीय 17 प्रकार के जैविक आदान तैयार किये जा रहे है।

टिकाऊ खेती के सर्वोत्तम आदानों की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक एवं बारीकियों को जानने व समझने हेतु हार्टिकल्चर विभाग के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश तिवारी के नेतृत्व में समस्त एम.एस.सी. व पी.एच.डी. के छात्र–छात्राओं को जवाहर जैव उर्वरकों के विषय में शोध हेतु नर्सरी, फल, फूल उद्यानों में उपयोगिता व बेहतर लाभ हेतु महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र के प्रभारी एवं मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एन.जी. मित्रा के नेतृत्व में शोध व नवीनतम जैव उर्वरकों की जानकारी दी गई। जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र द्वारा विभिन्न जैव उर्वरकों जैसे– जवाहर राइजोबियम, जवाहर एजोटोबेक्टर, जवाहर एजोस्पाइरिलम, जवाहर एसिटोबेक्टर, जवाहर पी.एस.बी., जवाहर के.एस.बी., जवाहर जेड.एस.बी., जवाहर स्यूडोमोनास, जवाहर ई.एम. कल्चर, जवाहर बायोफर्टिसॉल, जवाहर ट्राइकोडर्मा, जवाहर नील– हरित शैवाल, जवाहर माइकोराईजा, जवाहर जैव विघटक (कवक), जवाहर जैव विघटक (जीवाणु), वैक्टोबूस्टर आदि का निरंतर उत्पादन कर कृषकों का उपलब्ध कराया जा रहा है।

केन्द्र के वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल द्वारा वर्तमान समय में जैव उर्वरकों की उपयोगिता, आवश्यकता व हार्टिकल्चर के क्षेत्र में बेहतर प्रयोग हेतु महत्वपूर्ण उर्वरकों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. राकेश साहू एवं श्री बबलू यदुवंशी द्वारा जैव उर्वरकों के निर्माण में विभिन्न चरणों व लैब में वैज्ञानिक शोध के पहलुओं पर जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान समस्त हार्टिकल्चर के छात्र–छात्राओं ने वैज्ञानिकों की बातो को जाना समझा व इस क्षेत्र में भविष्य में रोजगार व स्टार्टअप बनाने एवं कैरियर बनाने की बात कही।